3 (Sem–6/CBCS) HIN HE 2

2024

HINDI

(Honours Elective)

Paper : HIN–HE–6026

(प्रेमचंद का साहित्य)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) प्रेमचंद का अंतिम पूर्ण उपन्यास कौन-सा है?

(ख) प्रेमचंद उर्दू में किस नाम से लिखते थे?

(ग) 'साहित्य का उद्देश्य' प्रगतिशील लेखक संघ के किस जगह में आयोजित अधिवेशन का भाषण है?

(घ) प्रेमचंद द्वारा रचित प्रथम हिन्दी उपन्यास का नामोल्लेख कीजिए।

(ङ) गंगाजली कौन थी?

(च) 'कर्बला' नाटक का प्रकाशन-वर्ष क्या है?

(छ) 'ईदगाह' शीर्षक कहानी के नायक का नाम क्या है?

(ज) 'पूस की रात' कहानी की प्रमुख स्त्री-पात्र कौन है?

(झ) प्रेमचंद के अनुसार साहित्य की सर्वोत्तम परिभाषा क्या है?

(ञ) दोनों बैल किनके घर से बार-बार भाग गये थे?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) प्रेमचंद के अनुसार कौन-सा साहित्य, साहित्य कहलाने का अधिकारी नहीं है?

(ख) 'साहित्य का उद्देश्य' निबंध की किन्हीं दो शैलीगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

(ग) उपन्यास और कहानी में निहित कोई दो अंतर बताइए।

(घ) "किसी के दिन बराबर नहीं जाते। कितनी दर्दनाक हालत है।" यह कथन किसने और किससे कहा है?

(ङ) 'ईदगाह' कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) प्रेमचंद के अनुसार सौंदर्य क्या है?

(ख) 'पूस की रात' कहानी की मुख्य समस्या का खुलासा कीजिए।

(ग) 'शतरंज के खिलाड़ी' शीर्षक कहानी के उद्देश्य को रेखांकित कीजिए।

(घ) 'पंच परमेश्वर' शीर्षक कहानी के नामकरण की सार्थकता को स्पष्ट कीजिए।

(ङ) "स्त्रियों को अगर ईश्वर सुंदरता दे तो धन से वंचित न रखे। धनहीन, सुंदर, चतुर स्त्री पर दुर्व्यसन का मंत्र शीघ्र ही चल जाता है।" संदर्भ सहित आशय स्पष्ट कीजिए।

(च) 'कर्बला' नाटक के माध्यम से नाटककार क्या संदेश देना चाहते हैं?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) मुंशी प्रेमचंद की लोकप्रियता के कारणों पर विचार कीजिए।

अथवा

'साहित्य का उद्देश्य' शीर्षक निबंध के प्रतिपाद्य की समीक्षा कीजिए।

(ख) चरित्र-चित्रण की दृष्टि से 'कर्बला' नाटक की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'कर्बला' नाटक के नामकरण की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

(ग) कथानक एवं उद्देश्य के आधार पर 'सेवासदन' उपन्यास का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

"'सेवासदन' उपन्यास में भारतीय स्त्री के जीवन-सत्य तथा संघर्ष को दर्शाया गया है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।

(घ) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

और स्नेह भी वह नहीं, जो प्रगल्भ होता है और अपनी सारी कसक शब्दों में बिखेर देता है। यह मूक स्नेह था, खूब ठोस, रस और स्वाद से भरा हुआ। बच्चे में कितना त्याग, कितना सद्भाव और कितना विवेक है!

अथवा

उसके चेहरे पर एक स्थायी विषाद स्थायी रूप से छाया रहता है। सुख-दुःख, हानि-लाभ, किसी भी दशा में उसे बदलते नहीं देखा। ऋषियों-मुनियों के जितने गुण हैं, वे सभी उसमें पराकाष्ठा को पहुँच गये हैं, पर आदमी उसे बेवकूफ कहता है। सद्गुणों का इतना अनादर कहीं नहीं देखा। कदाचित् सीधापन संसार के लिए उपयुक्त नहीं है।

★★★